Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 21 May 2024

Dainik Jagran Page - 04

गोरखपुर विश्वविद्यालय में होगी एआइ की पढ़ाई, बनेगी प्रयोगशाला

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय नए सत्र से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) में परास्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही परिसर में बीसीए आइओटी (इंटरनेट आफ थिंग्स) और बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस पाठ्यक्रम का संचालन शुरू करने की भी तैयारी है। सभी पाठ्यक्रमों का संचालन इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग से होगा। इसके लिए वहां अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रयोगशाला बनाने की तैयारी है।

यह पाठ्यक्रम नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलाजी (नाइलिट) के सहयोग से संचालित होंगे। इसे लेकर नाइलिट के साथ गोवि का अनुबंध पहले ही हो चुका है। 24 मई को गोवि अपने इस निर्णय को प्रस्ताव के रूप में विद्या परिषद की बैठक में रखेगा। स्वीकृति मिलने के बाद मंजूरी के लिए यह प्रस्ताव कार्य परिषद की बैठक में रखा जाएगा। कार्य परिषद की मंजूरी के बाद प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इन नए पाठ्यक्रमों को संचालित करने का निर्णय गोवि ने समय और बाजार की मांग को ध्यान में रखकर किया है।

पाठ्यक्रम की सीटें हुई निर्धारित

विश्वविद्यालय ने तीनों नए पाठ्यक्रमों के लिए सीटों का निर्धारण भी कर लिया है। एआइ में परास्नातक डिग्री के लिए 30 सीटें निर्धारित हुई हैं। बीसीए आइओटी और बीसीए मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस में 60-60 सीटों पर प्रवेश लेने का निर्णय लिया गया है। यह पाठ्यक्रम स्व-वित्तपोषित प्रारूप में चलाए जाएंगे।

साहित्य विमर्श के सातवें अंक का कुलपति ने किया विमोचन

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की मासिक पत्रिका साहित्य विमर्श के सातवें अंक का विमोचन सोमवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। कुलपति ने कहा कि परीक्षा समाप्त होने के बाद जब कक्षाएं नहीं हैं, ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों द्वारा यह कार्य करना उनकी लगन, निष्ठा एवं समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस पत्रिका में सतत विकास लक्ष्य के विषय को लेकर विद्यार्थियों द्वारा लिखी कुछ रचनाएं भी प्रकाशित हैं। कुलपति ने विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला और संपादक टीम को नियमित प्रकाशन तथा उनके समर्पण के लिए बधाई दी। (विज्ञप्ति)

विश्वविद्यालय में नए सत्र से एआइ में परास्नातक की पढ़ाई शुरू करने की योजना बना ली गई है। इसके लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला का निर्माण कराया जाएगा। बीसीए आइओटी और बीसीए मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस पाठ्यक्रम में प्रवेश की तैयारी है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

Amar Ujala page - 07

डीडीयू : एआई की होगी पढ़ाई इंजीनियरिंग विभाग में बनेगी लैब

हाईटेक कंप्यूटर सिस्टम और सॉफ्टवेयर होंगे, सत्र 2024-25 से होगी पढ़ाई

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 से एमएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पढ़ाई होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग में एक हाईटेक लैब बनाई जाएगी। ताकि विद्यार्थी एआई के व्यावहारिक ज्ञान से परिचित हो सकें।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (नाइलेट) के सहयोग से एमएस एआई को इसी सत्र से शुरू किया जा रहा है। 24 मई को विद्या परिषद की बैठक में इसको रखा जाएगा। इसके बाद कार्य परिषद से स्वीकृति मिलने के बाद इसके लिए आवेदन लिए जाएंगे।

विभाग में अभी कंप्यूटर साइंस की लैब है, लेकिन समय की मांग और एआई के बढ़ते क्रेज को देखते हुए विश्वविद्यालय इसके लिए अलग लैब बनाने जा रहा है। इसमें हाईटेक कंप्यूटर सिस्टम और सॉफ्टवेयर होंगे। पीएम उषा से मिलने वाली ग्रांट से यह कार्य होगा। आचार संहिता हटने के बाद विश्वविद्यालय इसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा।

इंजीनियरिंग विभाग में तीन कोर्स शुरू होंगे। इसमें मास्टर ऑफ साइंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 30, बीसीए इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स में 60 और बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस में भी 60 सीटें होंगी। जून में इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी।

विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमएस एआई की पढ़ाई शुरू होनी है। इसके लिए अलग से एक हाईटेक लैब बनाने का प्रस्ताव है। यह लैब एमएस एआई के साथ-साथ कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थियों के लिए भी लाभदायक होगी।

\- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

साहित्य विमर्श के सातवें अंक का कुलपति ने किया विमोचन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की मासिक पत्रिका साहित्य विमर्श के सातवें अंक का विमोचन सोमवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा समाप्त होने के बाद जब कक्षाएं नहीं हैं, ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों द्वारा यह कार्य करना उनकी लगन, निष्ठा एवं समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस पत्रिका में सतत विकास लक्ष्य के विषय को लेकर विद्यार्थियों द्वारा लिखी रचनाएं भी प्रकाशित हैं। कुलपति ने विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला और संपादक टीम को नियमित प्रकाशन तथा उनके समर्पण के लिए बधाई दी। विभागाध्यक्ष प्रो. शुक्ला ने बताया कि हर पत्रिका का संपादक रोटेशन के आधार पर विद्यार्थियों को ही बनाया जाता है, जिससे उनमें अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ उनके रचनात्मक गुणों को भी निखारा जा सके। मई की पत्रिका के संपादक पीजी द्वितीय सेमेस्टर के विशाल मिश्रा एवं शोध छात्रा खुशबू जायसवाल रहीं। संवाद

Hindustan Page 05

नाइलिट के सहयोग से तीन कोर्स शुरू करने जा रहा डीडीयू

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई इसी सत्र से होगी

तैयारी

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 से ही विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की पढ़ाई कर सकेंगे। इसे लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। एआई का हाईटिक लैब भी बनाया जाएगा। पाठ्यक्रम की मांग को देखते हुए डीडीयू प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। नाइलिट के सहयोग से कुल तीन कोर्स शुरू किए जाएंगे।

डीडीयू के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इस कोर्स का संचालन किया जाएगा। इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। विद्या परिषद की 24 मई को होने वाली बैठक में इसे रखा जाएगा। उसके बाद कार्य परिषद की स्वीकृति मिलने के बाद एआई में प्रवेश के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। डीडीयू में कम्प्यूटर साइंस की लैब है लेकिन एआई के बढ़ते क्रेज को देखते हुए अत्याधुनिक सुविधाओं वाला नया लैब बनाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है।

इसमें हाईटिक कंप्यूटर सिस्टम और सॉफ्टवेयर होंगे। पीएम ऊषा से मिलने वाली 100 करोड़ रुपये के ग्रांट से यह लैब स्थापित करने की योजना है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता खत्म होने के बाद डीडीयू प्रशासन खरीदारी के लिए टेंडर की प्रक्रिया को शुरू करेगा।

- एआई में 30, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और डाटा साइंस में होंगी 60-60 सीटें
- 24 मई को प्रस्तावित विद्या परिषद की बैठक में प्रस्ताव रखेगा डीडीयू प्रशासन

डीडीयू में इसी सत्र से मास्टर ऑफ साइंस इन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कोर्स का संचालन किया जाएगा। आईओटी और डाटा साइंस में भी प्रवेश लिया जाएगा। इसके लिए अत्याधुनिक सुविधाओं वाला लैब बनाया जाएगा। सभी के लिए उपयोगी होगा। - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

Inext Page - 04

100 पार्टिसिपेंट के साथ वैल्यू एडेड कोर्स का हुआ समापन

GORAKHPUR (20 May): डीडीयूजीयू के इंग्लिश डिपार्टमेंट द्वारा एक हफ्ते तक चलने वाले वैल्यू एडेड कोर्स का सोमवार को समापन हुआ. वीसी के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस समापन समारोह की अध्यक्षता अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. कीर्ति पांडे और समापन उद्बोधन, प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल और इंग्लिश डिपार्टमेंट केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात गांधीनगर के द्वारा किया जाएगा. प्रो. अजय शुक्ला ने बताया कि कम्युनिकेशन स्किल्स एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट विषय पर आयोजित इस वैल्यू एडेड कोर्स में 100 पार्टिसिपेंट ने पार्टिसिपेट कर किया, जिन्हें इमोशनल इंटेलिजेंस, पब्लिक स्पीकिंग, कॉन्फिडेंस बिल्डिंग, पर्सनल इंट्रा, पर्सनल कम्युनिकेशन, टीम मैनेजमेंट जैसे विषयों पर व्याख्यान दिया गया.

वीसी ने किया इंग्लिश डिपार्टमेंट के मंथली मैग्जीन का विमोचन

GORAKHPUR (20 May): गोरखपुर यूनिवर्सिटी के इंग्लिश डिपार्टमेंट की मासिक मैग्जीन के सातवें अंक सोमवार को विमोचन किया गया. मैग्जीन का विमोचन वीसी प्रो. पूनम टंडन ने किया. वीसी ने एचओडी प्रो. अजय शुक्ला और एडिटोरियल टीम को नियमित प्रकाशन तथा समर्पण के लिए बधाई दी.

उन्होंने कहा कि परीक्षा समाप्त होने के बाद जब कक्षाएं नहीं है, ऐसी स्थिति में स्टूडेंट्स का यह कार्य करना उनकी लगन, निष्ठा एवं समर्पण को दर्शाता है. इस पत्रिका में सतत विकास लक्ष्य के विषय को लेकर स्टूडेंट्स द्वारा लिखी कुछ रचनाएं भी प्रकाशित है. प्रो. अजय शुक्ला ने बताया कि पीजी और रिसर्च स्कॉलर के सहयोग से हर महीने यह मैग्जीन निकाली जा रही है. मई महीने की मैग्जीन के एडिटर विशाल मिश्रा और रिसर्च स्कॉलर खुशबू जायसवाल रहे. प्रो. शुक्ला ने बताया की जून माह के लिए अभी से स्टूडेंट्स कार्य कर रहें हैं. इसकी ज़िम्मेदारी पीजी सेकेंड सेमेस्टर की जान्हवी सिंह और श्रेया मिश्रा को दी गई है.

थर्ड डिवीजन वाले कैंडिडेट्स भी अब कर सकेंगे पीएचडी

Swatantra Bharat

मासिक पत्रिका का किया विमोचन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग की मासिक पत्रिका साहित्य विमर्श के सातवें अंक का विमोचन आज कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा किया गया। कुलपति ने विभागाध्यक्ष प्रो अजय शुक्ला तथा संपादक टीम को नियमित प्रकाशन तथा उनके समर्पण के लिए उन्हें बधाइयां दी। उन्होंने कहा कि परीक्षा समाप्त होने के बाद जब कक्षाएं नहीं है, ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों द्वारा यह कार्य करना उनकी लगन, निष्ठा एवं समर्पण को दर्शाता है।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अजय शुक्ला ने बताया कि पीजी तथा शोध छात्रों के सहयोग से हर माह यह पत्रिका निकाली जा रही है,यह इस पत्रिका का सातवां अंक है, हर पत्रिका का संपादक रोटेशन के आधार पर विद्यार्थियों को ही बनाया जाता है जिससे उनमें अकादमिक ज्ञान के साथ साथ उनके रचनात्मक गुणों को भी निखारा जा सके। मई माह की पत्रिका के संपादक पीजी द्वितीय सेमेस्टर के विशाल मिश्रा एवं शोध छात्रा खुशबू जायसवाल रहीं।

Amar Ujala Select Page 04

इंजीनियरिंग विभाग में बनेगी लैब, सत्र 2024-25 से होगी एमएस एआई की पढ़ाई

डीडीयू में एआई की होगी पढ़ाई

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 से एमएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पढ़ाई होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग में एक हाईटेक लैब बनाई जाएगी ताकि विद्यार्थी एआई के व्यावहारिक ज्ञान से परिचित हो सकें।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (नाइलेट) के सहयोग से एमएस एआई को इसी सत्र से शुरू किया जा रहा है। 24 मई को विद्या परिषद की बैठक में इसको रखा जाएगा। इसके बाद कार्य परिषद से स्वीकृति मिलने के बाद इसके लिए आवेदन लिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमएस एआई की पढ़ाई शुरू होनी है। इसके लिए अलग से एक हाईटेक लैब बनाने का प्रस्ताव है। यह लैब एमएस एआई के साथ-साथ कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थियों के लिए भी लाभदायक होगी।

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

विभाग में अभी कंप्यूटर साइंस की लैब है, लेकिन समय की मांग और एआई के बढ़ते क्रेज को देखते हुए विश्वविद्यालय इसके लिए अलग लैब बनाने जा रहा है। इसमें हाईटेक कंप्यूटर सिस्टम और सॉफ्टवेयर होंगे। पीएम उषा से मिलने वाली ग्रांट से यह कार्य होगा।

इंजीनियरिंग विभाग में तीन कोर्स शुरू होंगे। इसमें मास्टर ऑफ साइंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 30, बीसीए इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स में 60 और बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस में भी 60 सीटें होंगी।

Rashtriya Sahara Page - 05

विवि अंग्रेजी विभाग में मासिक पत्रिका के सातवें अंक का विमोचन करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन साथ में विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला व अन्य।

अंग्रेजी विभाग की मासिक पत्रिका के सातवें अंक का विमोचन

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग की मासिक पत्रिका साहित्य विमर्श के सातवें अंक का विमोचन सोमवार को कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा किया गया। कुलपति ने विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला तथा संपादकीय टीम को नियमित प्रकाशन के लिए बधाइयां दी। उन्होंने कहा कि परीक्षा समाप्त होने के बाद जब कक्षाएं नहीं है, ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों द्वारा यह कार्य करना उनकी लगन, निष्ठा एवं समर्पण को दर्शाता है। इस पत्रिका में सतत विकास लक्ष्य के विषय को लेकर विद्यार्थियों द्वारा लिखी कुछ रचनाएँ भी प्रकाशित हैं।

बीपीए व बीएफए कोर्स संचालन की कवायद

गोरखपुर (एसएनबी)। गोविवि. में बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स और बैचलर ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स पाठ्यक्रम के संचालन के लिए एक योजना के तहत काम शुरू हो गया है। अब तक विद्यार्थी बीए में इसे एक विषय के तौर पर लेते रहे हैं और फिर इस विषय से स्नातकोत्तर करते हैं। लेकिन विभिन्न संस्थानों में चयन के समय प्रोफेशनल कोर्स न होने की वजह से इसका लाभ नहीं मिल पाता है। इसलिए विश्वविद्यालय अब इसे प्रोफेशनल कोर्स के रूप में संचालित करेगा।

- रेगुलर कोर्स के रूप में चलाने में आ रही कई अड़चनें
- प्रोफेशनल कोर्स के रूप में हो सकती है पढ़ाई

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन नये सत्र में इन कोर्सों को नियमित पाठ्यक्रम के रूप में संचालन की योजना बना रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की कवायद शुरू हो गयी है। हालांकि नियमित पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को कई तरह की औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। यदि सत्र 2024-25 में सेल्फ फाइनेंस कोर्स के रूप में इसका संचालन नहीं हुआ तो सत्र 2025-26 से रेगुलर कोर्स के रूप में संचालन की अनुमति शासन से मिल सकती है। विश्वविद्यालय में परास्नातक में भी एमए की बजाय एमएफए और एमपीए के संचालन की योजना है। देश के ज्यादातर विश्वविद्यालयों में फाइन एंड परफार्मिंग आर्ट्स को प्रोफेशनल कोर्स का दर्जा दिया जा चुका है जानकारी के मुताबिक किसी शिक्षण संस्थान या विभिन्न एजेंसियों या एकेडमी में चयन के वक्त डिग्री की जांच होती है तो गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसी में छंट जाते हैं। दूसरे संस्थानों के विद्यार्थी प्रोफेशनल कोर्स की डिग्री लगाते हैं तो डीडीयू वाले बीए और एमए की। यहां पर करीब एक दशक से प्रोफेशनल कोर्स को लेकर प्रयास होते रहे हैं लेकिन अलग-अलग कारणों से मामला अधर में अटका रहा। वर्तमान में बीए के विद्यार्थी अन्य विषयों के साथ किसी एक विषय के रूप में ललित कला या संगीत पढ़ते हैं। प्रोफेशनल कोर्स होने पर यूजी में ही फाइन आर्ट्स और परफार्मिंग आर्ट्स के विषयों की अलग-अलग पढ़ाई हो सकेगी।

सेल्फ फाइनेंस कोर्स पर भी मंथन चल रहा : कुलपति

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय ने इस बारे में कहा कि फाइन एंड परफार्मिंग आर्ट्स के प्रोफेशनल कोर्स नहीं होने के कारण यहां के छात्रों के विभिन्न संस्थानों में चयन में मुश्किलें आती हैं। इसको लेकर कोशिश जारी है। नियमित पाठ्यक्रम के रूप में संचालन में कुछ अड़चनें हैं। इसे देखते हुए सेल्फ फाइनेंस कोर्स पर भी मंथन किया जा रहा है।

Aaj

कुलपति ने अंग्रेजी विभाग की मासिक पत्रिका के सातवें अंक का किया विमोचन

गोरखपुर,२१ मई। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग की मासिक पत्रिका साहित्य विमर्श के सातवें अंक का विमोचन आज कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा किया गया। कुलपति ने विभागाध्यक्ष प्रो अजय शुक्ला तथा संपादक टीम को नियमित प्रकाशन तथा उनके समर्पण के लिए उन्हें बधाइयां दी।उन्होंने कहा कि परीक्षा समाप्त होने के बाद जब कक्षाएँ नहीं है , ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों द्वारा यह कार्य करना उनकी लगन, निष्ठा एवं समर्पण को दर्शाता है .

इस पत्रिका में सतत विकास लक्ष्य के विषय को लेकर विद्यार्थियों द्वारा लिखी कुछ रचनाएँ भी प्रकाशित हैं । गत माह में होने वाली विभिन्न विभागीय गतिविधियों को भी इसमें शामिल करने के साथ साथ मई माह में जन्मे रचनाकारों को भी याद किया गया है।विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अजय शुक्ला ने बताया कि पी.जी तथा शोध छात्रों के सहयोग से हर माह यह पत्रिका निकाली जा रही है,यह इस पत्रिका का सातवां अंक है, हर पत्रिका का संपादक रोटेशन के आधार पर विद्यार्थियों को ही बनाया जाता है जिससे उनमें अकादमिक ज्ञान के साथ साथ उनके रचनात्मक गुणों को भी निखारा जा सके।मई माह की पत्रिका के संपादक पी जी द्वितीय सेमेस्टर के विशाल मिश्रा एवं शोध छात्रा खुशबू जायसवाल रहीं। प्रो शुक्ला ने बताया की जून माह के लिए अभी से विद्यार्थी कार्य कर रहें हैं . इसकी ज़िम्मेदारी पी जी द्वितीय सेमेस्टर की जाह्नवी सिंह एवं श्रेया मिश्रा दी गई है।

❖ निरंतर प्रकाशन के लिए कुलपति ने विभागाध्यक्ष एवं उनकी टीम को दी बधाई

साहित्य विमर्श के सातवें अंक का कुलपति ने किया विमोचन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की मासिक पत्रिका साहित्य विमर्श के सातवें अंक का विमोचन सोमवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा समाप्त होने के बाद जब कक्षाएं नहीं हैं, ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों द्वारा यह कार्य करना उनकी लगन, निष्ठा एवं समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस पत्रिका में सतत विकास लक्ष्य के विषय को लेकर विद्यार्थियों द्वारा लिखी रचनाएं भी प्रकाशित हैं। कुलपति ने विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला और संपादक टीम को नियमित प्रकाशन तथा उनके समर्पण के लिए बधाई दी। विभागाध्यक्ष प्रो. शुक्ला ने बताया कि हर पत्रिका का संपादक रोटेशन के आधार पर विद्यार्थियों को ही बनाया जाता है, जिससे उनमें अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ उनके रचनात्मक गुणों को भी निखारा जा सके। मई की पत्रिका के संपादक पीजी द्वितीय सेमेस्टर के विशाल मिश्रा एवं शोध छात्रा खुशबू जायसवाल रहीं। जून के लिए द्वितीय सेमेस्टर की जाह्नवी सिंह एवं श्रेया मिश्रा को जिम्मेदारी दी गई है।

Gorakhpur Super Fast Times

अंग्रेजी विभाग में वैल्यू एडेड कोर्स का समापन आज

गोरखपुर । सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग द्वारा एक सप्ताह तक चलने वाले वैल्यू एडेड कोर्स का समापन आज किया जाएगा। कुलपति के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस समापन समारोह की अध्यक्षता अधिष्ठाता कला संकाय प्रो०कीर्ति पांडे करेंगी एवं समापन उद्बोधन प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल आचार्य अंग्रेजी विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात गांधीनगर के द्वारा किया जाएगा।विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि कम्युनिकेशन स्किल्स एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट विषय पर आयोजित इस वैल्यू एडेड कोर्स में 100 प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं,जिन्हें इस विषय के विभिन्न विषयों जैसे इमोशनल इंटेलिजेंस,पब्लिक स्पीकिंग कॉन्फिडेंस बिल्डिंग,पर्सनल इंट्रा पर्सनल कम्युनिकेशन,टीम मैनेजमेंट,टाइम मैनेजमेंट जैसे विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए।

मासिक पत्रिका के सातवें अंक का कुलपति ने किया विमोचन

- निरंतर प्रकाशन के लिए कुलपति ने विभागाध्यक्ष एवं उनकी टीम को दी बधाई
- सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के वैश्विक लक्ष्यों पर भी रचनाएँ शामिल